पाठ 1

कोयल

देखो कोयल कू–कू करती,
लगती कैसी प्यारी है।

इसकी बोली तोते, चिड़िया,
और सभी से न्यारी है।

इसको लोग चाहते क्यों हैं,
क्यों करते हैं इसका मान?

यह तो निरी कलूटी होती,
पाती है सबसे सम्मान।

भाई, कारण केवल यह है,
प्यारे बोल सुनाती है।

इधर–उधर यह उड़ती–फिरती,
मीठा गाना गाती है।

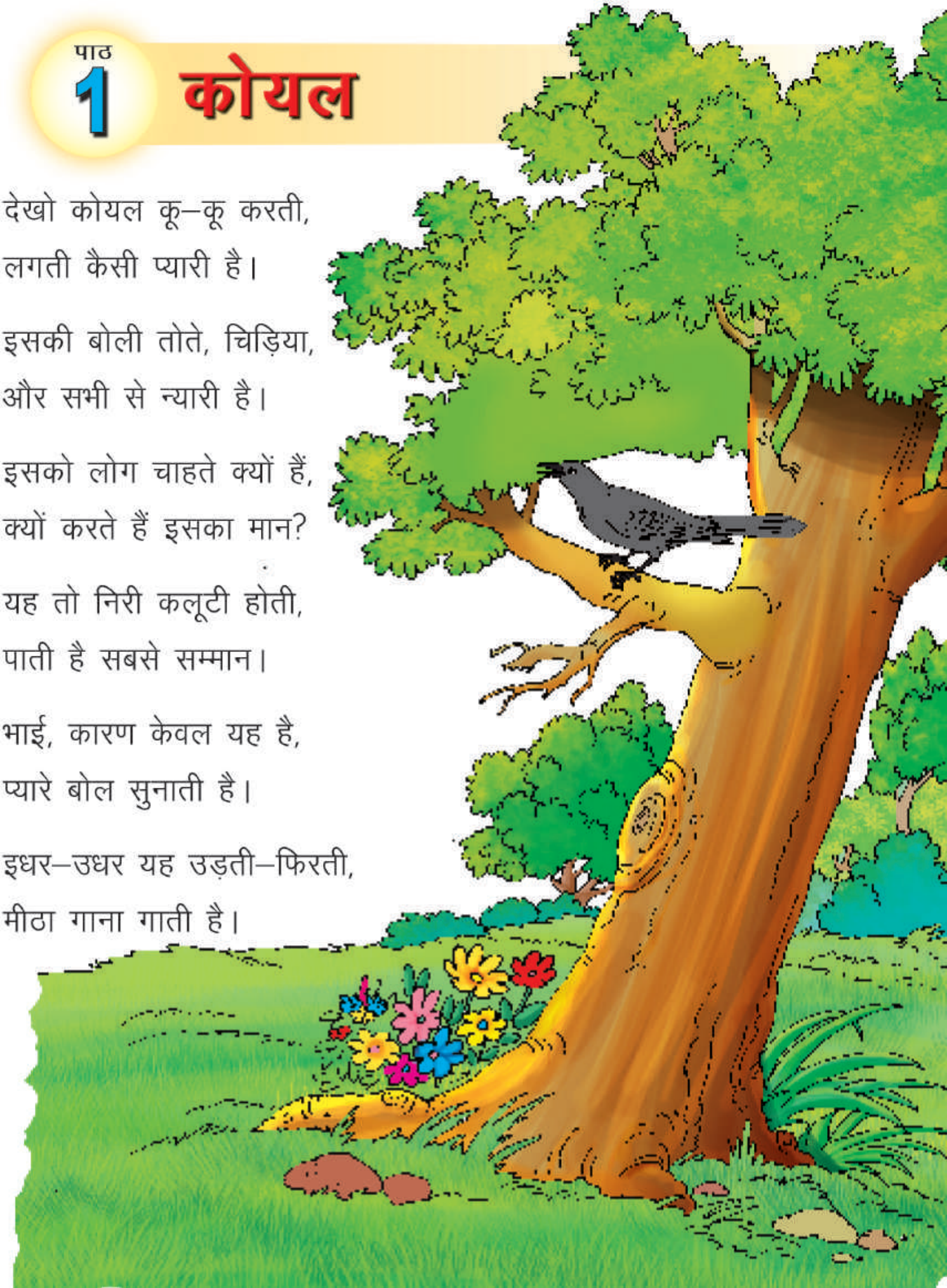

अभ्यास

1. आइए, शब्दों के अर्थ जानें–

- न्यारी – अलग
- निरी – बिलकुल
- कलूटी – काली
- बोल – बोली
- प्रिय – प्यारी

2. कविता से–

(क) कोयल की बोली कैसी होती है?

_____

(ख) कोयल का रंग कैसा होता है?

_____

(ग) कोयल का सम्मान क्यों करते हैं?

_____

3. आपकी बात–

(क) क्या आपने कभी कोयल की आवाज सुनी है? यदि हाँ, तो कहाँ?

(ख) आप टेलीविजन पर पशु–पक्षियों से संबंधित कौन–कौन से कार्यक्रम देखते हैं? उनके नाम बताएँ।

(ग) कोयल की आवाज़ की नकल करें ।

4. सुनें, बोलें और लिखें–

कू–कू _____

प्यारी _____

कलूटी _____

सम्मान _____

इधर–उधर _____

प्रिय _____

कोयल _____

5. कविता पढ़कर पंक्तियाँ पूरी करें–

यह तो निरी कलूटी होती,

पाती _____

भाई कारण केवल यह है,

प्यारा _____

इधर–उधर यह उड़ती–फिरती

मीठा .....

6. (क) शब्द बनाएँ–

को _____ ल

कलू _____

_____ ड़िया

सु _____ ती

सम्मा _____

(ख) कौन, कैसे बोलता है?

_____

_____

_____

_____

_____

(ग) कौन उड़ता है? (हाँ / नहीं)

बिल्ली _____

तोता _____

मुर्गा _____

भालू _____

कौआ _____

गाय _____

7. भाषा की बात–

(क) शब्द बनाएँ–

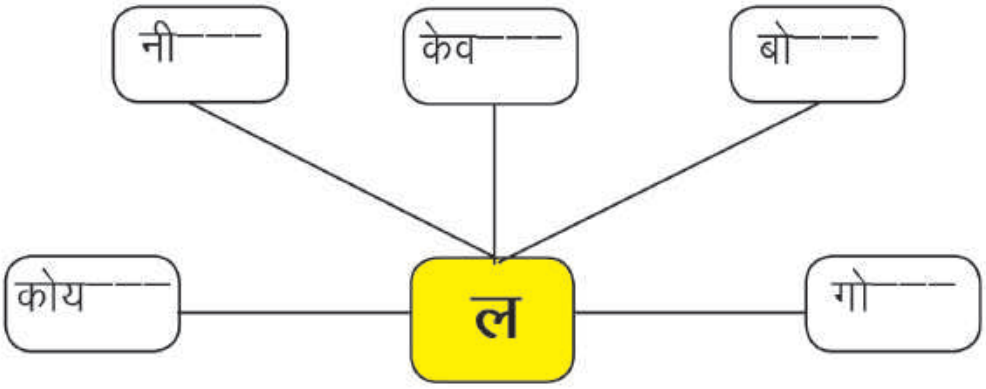

(ख) मात्रा लगाकर दो–दो शब्द बनाएँ–

क	–	कागज	कोयल
ग	–	_____	_____
भ	–	_____	_____
च	–	_____	_____
ट	–	_____	_____
त	–	_____	_____
प	–	_____	_____
म	–	_____	_____
ल	–	_____	_____

(ग) आपका नाम किस वर्ण से शुरू होता है? आपकी कक्षा में जिनके नाम उसी वर्ण से शुरू होते हैं, उनके नाम लिखें–

_____ _____

_____ _____

_____ _____

_____ _____

8. छूटे हुए वर्ण लिखकर पूरा करें–

क		ग		ङ
च	छ		झ	
	ठ	ड		ण
त		द	ध	
	फ		भ	म
य		ल		
	ष		ह	
क्ष		ज्ञ		

9. अपने दादा–दादी व नाना–नानी से पशु–पक्षियों की कहानियाँ सुनें और कक्षा में सुनाएँ।

10. मनपसंद पक्षी का चित्र बनाकर रंग भरें–

शिक्षक के लिए – शिक्षक बच्चों से आस–पास पाए जाने वाले पक्षियों के बारे में चर्चा करते हुए मीठा बोलने के लाभ के बारे में बताएँ। कक्षा–कक्ष के वातावरण को सरस बनाने के लिए कुछ अन्य गतिविधियाँ करवाएँ। जैसे– पक्षियों की आवाजों की नकल करना, के बारे में अनुमान लगाना।

कबूतर (कुछ और पढ़ें)

भोले–भाले बहुत कबूतर।
मैंने पाले बहुत कबूतर।
ढंग–ढंग के बहुत कबूतर।
रंग–रंग के बहुत कबूतर।
कुछ उजले कुछ लाल कबूतर।
चलते छमछम चाल कबूतर।
कुछ नीले कुछ बैंगनी कबूतर।
पहने हैं पैंजनी कबूतर।
करते मुझको प्यार कबूतर।
करते बड़ा दुलार कबूतर।
आ, अँगुली पर झूम कबूतर।
लेते हैं मुँह चूम कबूतर।
रखते रेशम बाल कबूतर।
चलते रुनझुन चाल कबूतर।
गुटर–गुटरगूँ बोल कबूतर।
देते मिश्री घोल कबूतर।

–सोहनलाल द्विवेदी

पाठ 2

चतुर चूहा

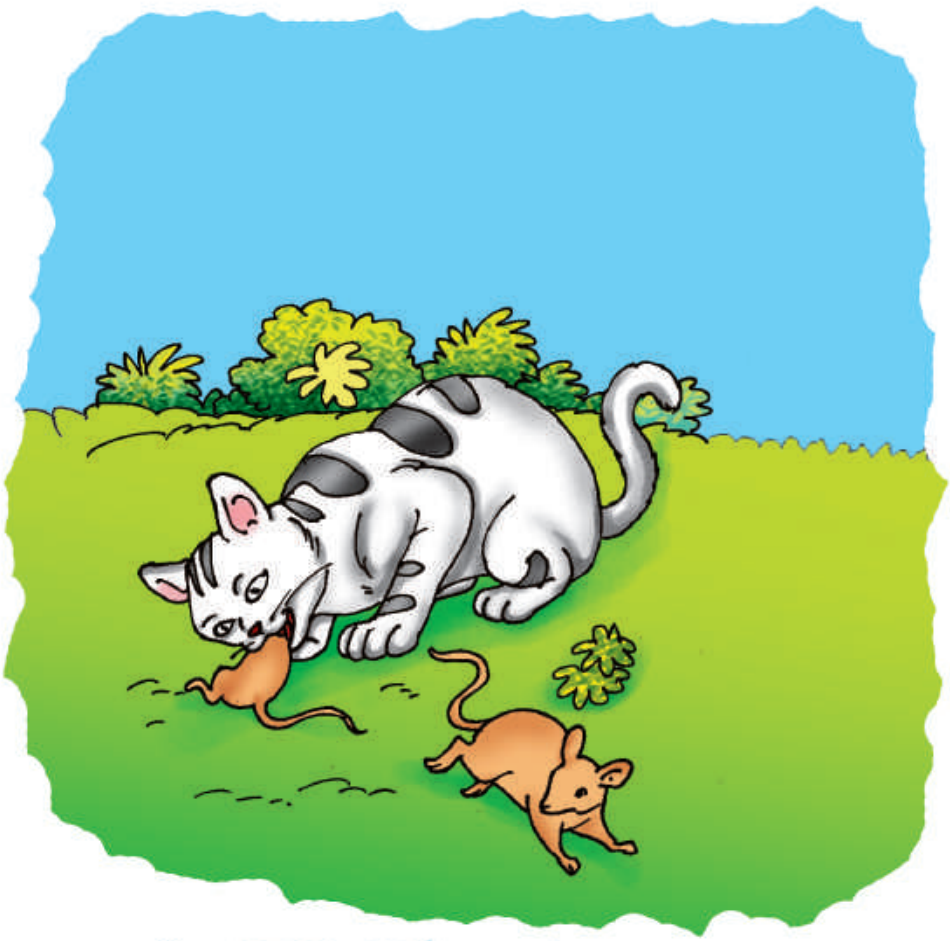

एक समय की बात है। पूसी नाम की बिल्ली से चूहे बहुत दुखी थे। पूसी रोज चूहों को खाती और पेड़ के नीचे सो जाती। चूहों ने सोचा, पूसी से कैसे बचें? उपाय खोजने के लिए चूहों ने एक सभा की। सभी ने अपने–अपने उपाय बताए, सबसे छोटे चूहे निक्कू ने जो उपाय बताया, वह सभी को पसंद आया।

निक्कू ने बताया कि बिल्ली के गले में घंटी बाँधी जाए, जिससे उसके आने का पता चल जाए।

सभा के मुखिया मूषक महाराज ने पूछा कि बिल्ली के गले में घंटी बाँधेगा कौन?

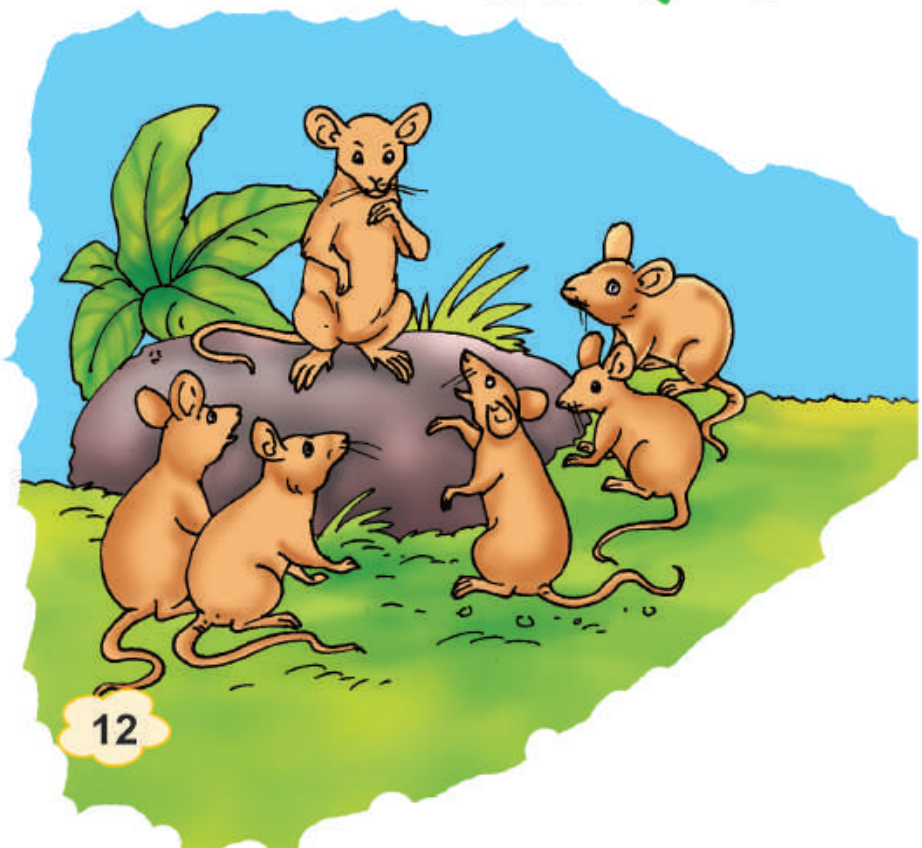

निक्कू बोला– हम सब मिलकर बिल्ली को घंटी की माला उपहार में देंगे। नैनी चुहिया ने पूछा–वह कैसे? निक्कू ने कहा कि इस बार हम चूहा–दिवस पर बिल्ली को बुलाएँगे। उसे मुख्य अतिथि बनाएँगे और घंटी की माला पहनाएँगे।

चूहा–दिवस पर चूहों ने योजना के अनुसार बिल्ली को मुख्य अतिथि के रूप में बुलाया और उसे घंटी की माला पहनाई। चूहों से उपहार पाकर पूसी फूली नहीं समा रही थी। चूहे भी खुशी से नाच रहे थे।

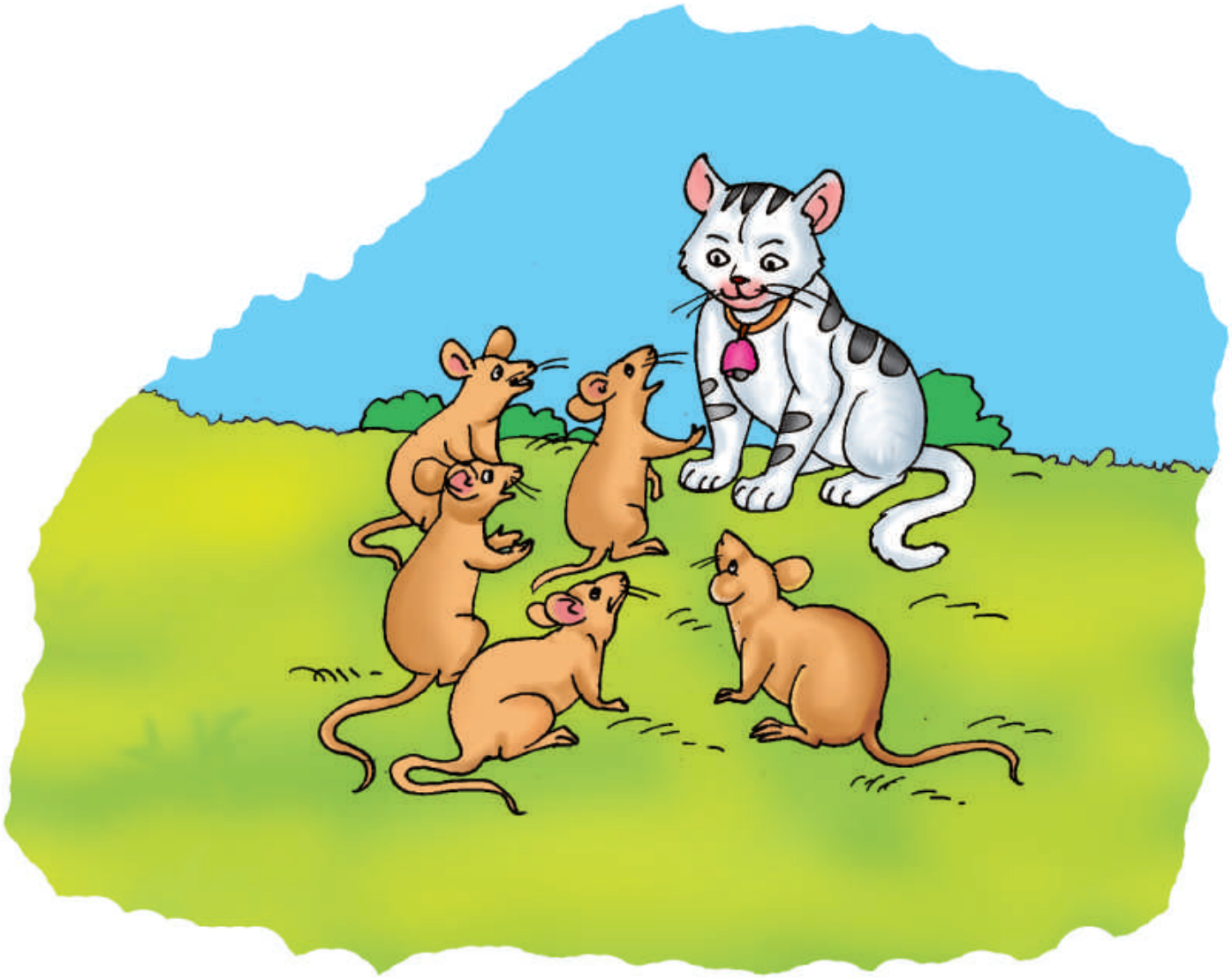

अभ्यास

1. आइए, शब्दों के अर्थ जानें–

- चतुर – चालाक / होशियार
- मूषक – चूहा / मूसा
- उपहार – भेंट
- अतिथि – मेहमान
- दिवस – दिन

2. कहानी से–

(क) चूहे क्यों दुखी थे?

_____

(ख) निक्कू ने बिल्ली से बचने के लिए क्या उपाय सुझाया?

_____

_____

(ग) चूहों ने 'चूहा–दिवस' कैसे मनाया?

_____

_____

(घ) पूसी क्यों खुश थी?

_____

3. आपकी बात–

(क) यदि आपने चूहे और बिल्ली से संबंधित कोई कार्टून फिल्म या टी॰वी॰ कार्यक्रम देखा है, तो आपस में चर्चा करें ।

(ख) आपके विद्यालय में कौन–कौन से दिवस मनाए जाते हैं?

(ग) अपने आस–पास आपने चूहे व बिल्ली देखे होंगे । उनकी आवाज निकालें व अभिनय करें।

4. (क) सुनें, बोलें और लिखें–

मूषक	————————	मुख्य	————————
अतिथि	————————	निक्कू	————————
योजना	————————	दिवस	————————

(ख) सुनें और बोलें–

अंक, पंच, केंठ, संत, कंप

5. भाषा की बात–

(क) आइए, यह भी जानें–

चूहा	–	चुहिया
बिलाव	–	————————
मोर	–	————————
शेर	–	————————
ऊँट	–	————————

(ख) एक–अनेक (देखें, समझें और लिखें)

———— चूहा ————

———— चूहे ————

————————

————————

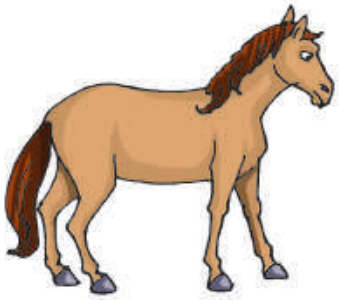

_____

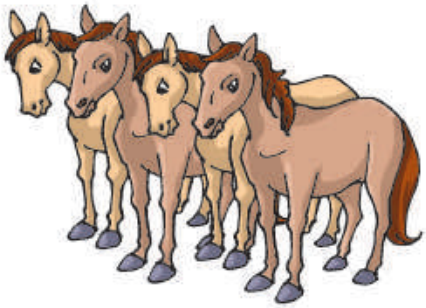

_____

_____

_____

(ग) रंगीन अक्षरों से नया शब्द बनाएँ–

रस्सी + वितरण

_____ रवि _____

हिचकी + मकान

_____

बिल्ली + लकड़ी

_____

नाक + नीचे

_____

चाय + चीनी

_____

दान + दीन

_____

6. (क) रंग भरें–

(ख) अंकों में छिपा कौन? चित्र पूरा करके रंग भरें–

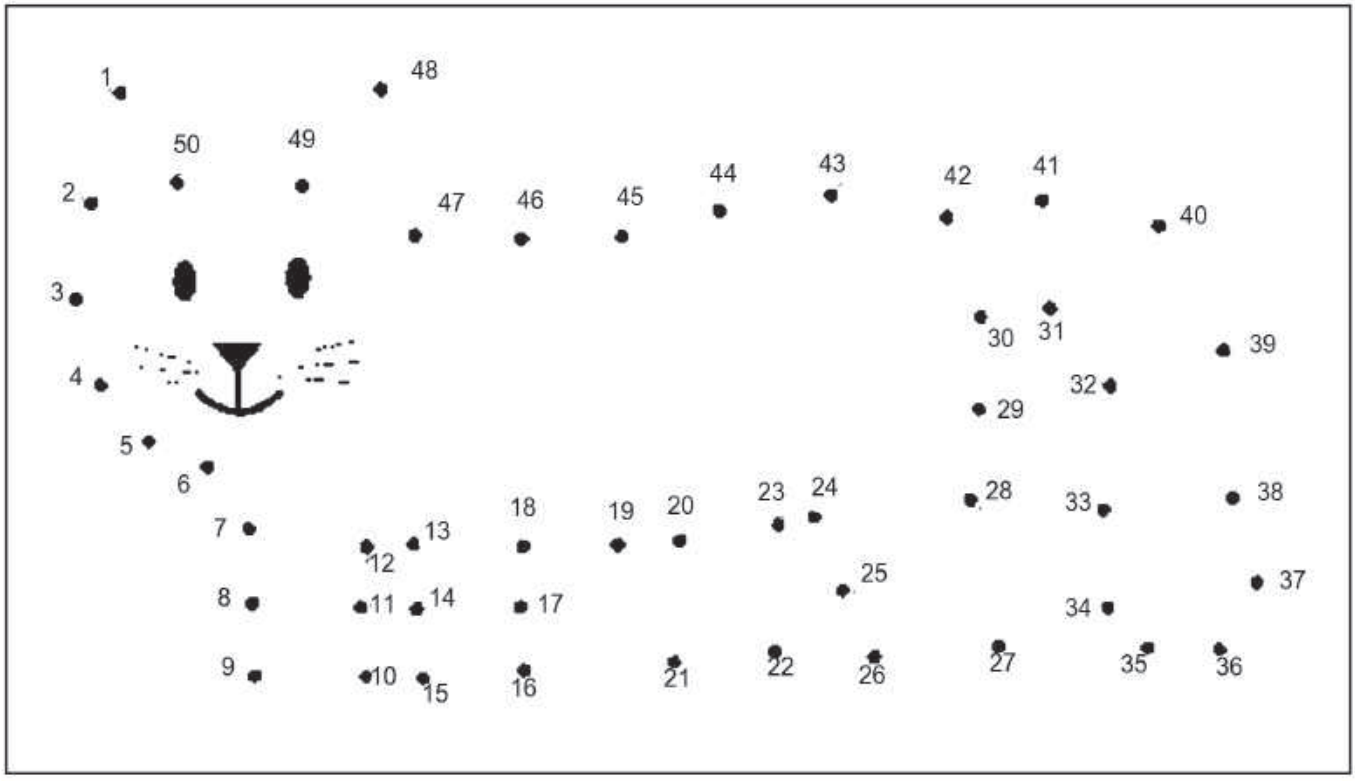

शिक्षक के लिए – बच्चों को खेल–खेल में लिंग, वचन आदि का बोध कराएँ।

झूमो–गाओ

बिल्ली बोली म्याऊँ,
मुझको हुआ जुकाम।
चूहे चाचा चूरन दे दो,
जल्दी हो आराम।
चूहा बोला, बतलाता हूँ,
एक दवा बेजोड़।
आगे से तुम चूहे खाना,
बिलकुल दोगी छोड़।